महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष ने ओछी राजनीति की : भजनलाल शर्मा

महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह विधेयक मील का पत्थर साबित होता, परंतु कांग्रेस ने स्वार्थ की राजनीति से इसे काला अध्याय बना दिया : मुख्यमंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष ने ओछी राजनीति की। इस ओछी मानसिकता के कारण देश की करोड़ों माताओं-बहनों के अरमानों पर पानी फेर दिया गया। अगर यह विधेयक पारित होता तो महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होता, परंतु विपक्ष ने स्वार्थ की राजनीति के चलते इसे काला अध्याय बना दिया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को रोककर विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया है, जिसे महिला वर्ग कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों के तहत 'नारी शक्ति वंदन' जैसे प्रयास देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन विपक्ष ने इसमें सहयोग नहीं किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह बात रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कही।

उन्होंने संविधान संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून विधेयक को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। भजनलाल शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा जैसे दलों ने इन विधेयकों का समर्थन नहीं कर महिलाओं के अधिकारों के प्रति अपनी उदासीनता उजागर की है। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन से जुड़े प्रयासों को रोकना महिलाओं का अपमान है। यह अवसर देश के संसदीय इतिहास में स्वर्णिम अध्याय बन सकता था, लेकिन विपक्ष के रवैये के कारण ऐसा नहीं हो सका। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने ओबीसी महिला, परिसीमन और दक्षिण भारत के नाम पर भ्रम फैलाकर क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने की कोशिश की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर पत्रकारों से बातचीत की। उनके साथ केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी मौजूद थी।

- **विपक्ष ने ओबीसी महिला, परिसीमन एवं दक्षिण भारत के नाम पर भ्रम फैलाया, क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने का प्रयास : भजनलाल शर्मा**
- **सदन में अधिनियम रोकने के बाद विपक्ष ने जीत का जश्न मनाया, यह लोकतंत्र के इतिहास में बेहद शर्मनाक पल : केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर**

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन' केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का आधार है। उन्होंने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन और 'लखपति दीदी' जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संसद में आई बाधाओं के बावजूद एनडीए सरकार महिला सम्मान और सामाजिक न्याय की दिशा में अपने प्रयास जारी रखेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि देश की मातृशक्ति समय आने पर इसका लोकतांत्रिक जवाब देगी।इस दौरान केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने भी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति को सदैव पूजनीय माना गया है और सरकार ने इसी सोच के साथ अपनी योजनाओं को लागू किया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए, 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से लगभग 10 करोड़ महिलाएं जुड़ी हैं और 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि देश की माताओं-बहनों का प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अटूट विश्वास है, लेकिन 16 और 17 अप्रैल को जिस विधेयक पर पूरे देश की नजर थी, उसमें विपक्ष ने बाधाएं खड़ी कर दीं। उन्होंने सदन में प्रतिपक्ष के नेता के रवैये को शर्मनाक बताते हुए कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी ने इस विधेयक का श्रेय सभी सांसदों को देने की बात कही, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसके बाधित होने के बाद जश्न मनाता नजर आया।

सावित्री ठाकुर ने कहा कि देश की बढ़ती आबादी को देखते हुए परिसीमन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि परिसीमन के बाद किसी भी राज्य की सीटों में कमी नहीं होगी, इसका आश्वासन भी प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया था, लेकिन विपक्ष ने भ्रम फैलाकर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले इस विधेयक का समर्थन नहीं किया। पत्रकार वार्ता में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, भाजपा उपाध्यक्ष डॉ. अलका मूंदड़ा, सरिता गैना, सांसद मंजू शर्मा, प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ और डॉ. मूर्ति मीणा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर सेंट्रल जेल में आरएसी जवान की गोली लगने से मौत

आत्महत्या या हादसा, इसकी जांच में जुटी पुलिस

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में रविवार सुबह टावर ड्यूटी पर तैनात एक आरएसी जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान आरएसी 10वीं बटालियन के कांस्टेबल गिरधारी लाल (38) निवासी कुशलपुरा जमवारामगढ़ जयपुर ग्रामीण के रूप में हुई है।

थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि गिरधारी लाल की ड्यूटी सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक टावर नंबर-2 पर थी। वह सुबह मेस से खाना खाकर ड्यूटी पर पहुंचे थे। करीब 11 बजे अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद जेल स्टाफ मौके पर पहुंचा। जवान टावर के पास बने अस्थाई बैरक के पास लहूलुहान हालत में पड़ा मिला।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल जवान को तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

गिरधारी लाल

थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि जवान के सीने में सर्विस राइफल से गोली लगी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गोली उसकी ही सर्विस राइफल से चली।

पुलिस दो एंगल से मामले की जांच कर रही है। एक संभावना यह जताई जा रही है कि जवान ने राइफल को जमीन पर टिकाकर बैरल को सीने पर लगाकर ट्रिगर दबाया, जिससे गोली सीधे सीने में लगी। वहीं दूसरी ओर यह भी आशंका है कि राइफल की सफाई के दौरान हादसतन गोली चल गई हो।

डिप्टी एसपी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह आत्महत्या का मामला है या हादसा।

मुख्यमंत्री जवाब दें 2023 के कानून को क्यों अटकाया केंद्र सरकार ने? : टीकाराम जूली

बिना जातिगत जनगणना के ओबीसी महिलाओं के साथ अन्याय कर रही है भाजपा : नेता प्रतिपक्ष

जयपुर (कासं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के रविवार को की गयी प्रेस वार्ता में विपक्ष पर लगाए आरोपों को सिरे से नकारते हुए तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के मुखिया पूरी तरह से दिल्ली के रिमोट कंट्रोल से संचालित हैं। वहां से जो स्क्रिप्ट लिखकर दी जाती है, मुख्यमंत्री बिना अपना विवेक लगाए उसी को यहां दोहरा देते हैं।

जूली ने तंज कसते हुए कहा कि जिस पार्टी ने एक कद्दावर महिला नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को दरकिनार कर दिया, वह आज महिला सम्मान की बात कर रही है? क्या एक महिला मुख्यमंत्री की जगह खुद को थोपना ही भाजपा का असली महिला सम्मान है? प्रधानमंत्री मोदी की तरह मुख्यमंत्री भी राजस्थान में पर्ची पढ़कर प्रदेशवासियों को भ्रमित करने का असफल प्रयास कर रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि शायद मुख्यमंत्रीजी को याद नहीं है कि वर्ष 2023 में यह बिल तो सर्वसम्मति से पास हो गया था, हाँ लेकिन सरकार ने इसे लागू करने की नीयत नहीं दिखाई है। जूली ने सवाल उठाया कि जब साल 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से महिला आरक्षण विधेयक पारित कर दिया था, तो भाजपा सरकार पिछले तीन वर्षों से कुंभकर्णी नींद क्यों सो रही थी? इसे अभी तक लागू क्यों नहीं किया गया? जूली ने कहा कि पूरा विपक्ष और हमारे नेता राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खडगे लगातार मांग कर रहे हैं कि आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। परंतु भाजपा ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए इसमें परिसीमन और जनगणना का पेच फंसाकर इसे अनिश्चितकाल के लिए अटका दिया है। यह महिलाओं के अधिकारों के साथ किया गया सबसे बड़ा विश्वासघात है।

- **जूली ने पूछा कि "नारी शक्ति वंदन तो 3 साल पहले ही पास हो चुका, लागू कब करोगे?"**

भाजपा के हालिया संशोधन विधेयकों पर प्रहार करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसमें दो गहरे षड्यंत्र छिपे हैं। पहला सीटों का मनमाना परिसीमन करना, ताकि भाजपा लंबे समय तक सत्ता पर काबिज रह सके। दूसरा, महिला आरक्षण को चुनावी लाभ का झुनझुना बनाना। जूली ने कहा कि भाजपा 2011 की जनगणना के पुराने आंकड़ों के आधार पर परिसीमन की छूट चाहती है, जो संसाधनों और न्याय के साथ खिलवाड़ है। भाजपा का असल मकसद महिलाओं को हक देना नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना है।

जूली ने स्पष्ट किया कि जब तक जातिगत जनगणना नहीं होगी, तब तक एससी, एसटी और विशेष रूप से ओबीसी वर्ग की महिलाओं को आरक्षण का वास्तविक लाभ मिलना नामुमकिन है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार ऐसा स्पष्ट बिल क्यों नहीं लाई जिससे समय पर जनगणना होकर सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व मिल सके?

गोविंददेवजी ने धारण की केसरिया धोती

जयपुर । ठिकाना मंदिर गोविंद देव जी में अक्षय तृतीया का पर्व भक्तिभाव से उत्सव चंदन यात्रा के रूप में मनाया गया। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह मंगला झांकी के बाद ठाकुर श्रीजी का पंचामृत अभिषेक कर शीतलता प्रदान करने के लिए विशेष केसर युक्त चंदन का लेप किया और आराध्य देव को केसरिया धोती भी पहनाई गई।

गोविंद देव जी मंदिर प्रवक्ता मानस गोस्वामी ने बताया कि अक्षय तृतीया पर ठाकुरजी को पीले रंग की धोती और दुपट्टा धारण करवाया गया। ठाकुरजी के सिर पेच हटाकर कलंगी श्रृंगार हुआ। इसके बाद ठाकुर जी को ठंडे व्यंजनों में शर्बत, ठंडाई, सत्तु, भीगी हुई चना दाल और पंचमेवा के साथ तरबूज का भोग लगाया गया। मंदिर प्रबंधक मानस गोस्वामी ने बताया कि चंदन यात्रा उत्सव के लिए जो चंदन लेप किया गया उस चंदन की तैयारी एक माह पूर्व ही प्रारंभ कर दी थी। श्रीजी को नवीन केसरिया धोती और दुपट्टा धारण कराकर गर्भ गृह में कूलर और पंखा सेवा भी प्रारंभ की गई। गर्मी अधिक होने के कारण ठाकुरजी को शीतल व्यंजनों का भोग लगना शुरू हुआ।

आई.पी.एल. मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते दो सटोरिये पुलिस के हत्थे चढ़े

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रामगंज और जालूपुरा थाना पुलिस ने ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आईपीएल मैच पर सट्टा लगाते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लैपटॉप, मोबाइल फोन, रजिस्टर व नकदी सहित सट्टे से जुड़ा सामान बरामद किया है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) राशि डोगरा ने बताया कि जिले में जुआ-सट्टा माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि रामगंज इलाके के भिस्तियों का मोहल्ला स्थित एक मकान में आईपीएल के सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच चल रहे मैच पर सट्टा लगाया जा रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तोपखाना हुजूरी क्षेत्र में एक कमरे में दबिश दी, जहां आरोपी शकील अहमद (54) को सट्टा लगाते गिरफ्तार किया गया। आरोपी मूल रूप से जालूपुरा का निवासी है और वर्तमान में रामगंज में किराए के मकान में रह रहा था।

पुलिस के अनुसार आरोपी ज़ूम ऐप के जरिए ग्राहकों से सट्टा ले रहा था और मौके से पुलिस ने आरोपित के पास से 4 मोबाइल फोन (जिन पर मैच व सट्टे के भाव चल रहे थे),1 डेल लैपटॉप (चार्जर सहित),वाई-फाई राउटर (एयरटेल),हिसाब-किताब के रजिस्टर और 5500 रुपए नकद सट्टा राशि भी की गई है। इस कार्रवाई करने

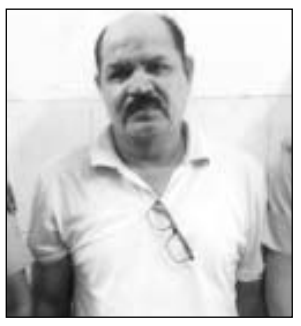

वाली टीम में थानाधिकारी सुभाष चंद्र, उपनिरीक्षक साबिर, मोहम्मद इस्लाम व रामलाल सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क व अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

वहीं जालूपुरा पुलिस जयपुर ने आईपीएल क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगाने के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जिसमें लाखों रुपए के सट्टे का हिसाब-किताब मिला है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि आईपीएल मैचों में सट्टेबाजी पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त द्वितीय बजरंग सिंह के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली राजेन्द्र कुमार मीणा के पर्यवेक्षण में जालूपुरा थाना प्रभारी हवा सिंह मंगावा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

गश्त और निगरानी के दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर छोटी मस्जिद के पास स्थित एक मकान में दबिश दी, जहां आरोपी मनीष खंडेलवाल (50) निवासी विद्याधर नगर को आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते हुए पकड़ा गया। आरोपी अपने मोबाइल में 9.एप के जरिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स के मैच पर करीब 6.04 लाख रुपए की लाइन लेकर सट्टा खिला रहा था। जांच में आरोपी के मोबाइल के व्हाट्सएप में कई लोगों के साथ लाखों रुपए के लेन-देन और सट्टे से संबंधित चैटिंग भी मिली है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

बैंक में दीवार तोड़ घुसे बदमाश, सेफ नहीं तोड़ सके

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस जयपुर क्षेत्र में स्थित बैंक में चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देने की कोशिश नाकाम हो गई। बदमाश दीवार में सेंध लगाकर बैंक के अंदर घुसे और तिजोरी कक्ष तक पहुंच गए, लेकिन सेफ नहीं तोड़ सके। असफल होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार जगतपुरा निवासी जय कुमार मीणा (41), जो दांतली स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा के सीनियर मैनेजर हैं, ने इस संबंध में मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर शाम बैंक बंद कर सभी कर्मचारी चले गए थे। देर रात बदमाशों ने बैंक को निशाना बनाया।

बदमाशों ने बैंक के सर्वर रूम की पिछली दीवार में करीब 2 2 फीट का छेद कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद तिजोरी कक्ष का लॉक तोड़कर गोल्ड सेफ और डॉक्यूमेंट सेफ को खोलने का प्रयास किया, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद वे सफल नहीं हो सके। अगले दिन शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे बैंक खोलने पर घटना का पता चला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

राजस्थान शतरंज एसो. के चुनाव पर दखल से हाईकोर्ट ने इनकार किया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान शतरंज एसोसिएशन के चुनाव से संबंधित विवाद पर दखल से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि चुनाव अधिकारी व एसोसिएशन के नए पदाधिकारी के भाई होने के आधार पर चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित होने का आरोप लगाया गया है, जबकि इस तरह के मामले पर याचिका दायर ही नहीं की जा सकती। इसके लिए वैकल्पिक कानूनी प्रावधान उपलब्ध हैं।

न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह व न्यायाधीश अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने राजस्थान शतरंज एसोसिएशन की अपील को मंजूर करते हुए यह आदेश दिया। एसोसिएशन के 4 मार्च को हाने वाले चुनाव पर हाईकोर्ट की एकलपीठ ने रोक लगा थी और सहकारिता रजिस्ट्रार से प्रशासक लगाने को कहा गया था। अपीलार्थी की ओर से कहा गया कि एसोसिएशन राज्य स्तरीय खेल संघ है और 4 मार्च को हुए चुनाव में अपीलार्थी को सचिव चुना जा चुका है, वहीं पुरानी कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त होने के कारण एकलपीठ में याचिका दायर करने वाले पक्षकार को हाईकोर्ट आने का अधिकार ही नहीं था। साधारण सभा में हुए चुनाव के आधार पर अपीलार्थी ने पदभार भी संभाल लिया। इसके विपरीत एकलपीठ में याचिका दायर करने वाले पक्षकार की ओर से खंडपीठ में कहा गया कि अपीलार्थी को इस मामले में अपील दायर करने का अधिकार ही नहीं था, अपीलार्थी का भाई चुनाव अधिकारी होने के कारण चुनाव की निष्पक्षता भी नहीं रही। इस पर अदालत ने कहा कि भाई के चुनाव अधिकारी होने का मुद्दा याचिका के माध्यम से अदालत में नहीं लाया जा सकता। इस मामले में हाईकोर्ट कोई तथ्यों की जांच करने वाला कोर्ट नहीं है। इस मामले से जुड़े तथ्य आधारित विवादों को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर नहीं की जा सकती। इसके अलावा जिस पर आरोप लगाए गए है, कोर्ट उसका भी पक्ष सुनने को बाध्य है।

- **कोर्ट ने कहा कि चुनाव अधिकारी व एसोसिएशन के नए पदाधिकारी के भाई होने के आधार पर चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित होने का आरोप लगाया गया है, जबकि इस तरह के मामले पर याचिका दायर ही नहीं की जा सकती।**

पिता-पुत्र पर बीच सड़क में हमला

जयपुर । विद्याधर नगर पुलिस जयपुर क्षेत्र में दिनदहाड़े कार गैरेज पर 10-15 बदमाशों ने पिता-पुत्र पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। भीड़ जुटने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार नया खेड़ा निवासी दीपक सैनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मालरोड स्थित उनकी सैनी कार एसी नाम से गैरेज है। रविवार सुबह करीब 10:15 बजे वह एक कार ठीक कर बाहर निकाल रहे थे, तभी ओवरस्पीड में आ रही दूसरी कार से हल्की टक्कर हो गई। इस पर कार सवार युवक ने गाली-गलौज की और कहासुनी के बाद वहां से चला गया। कुछ देर बाद वही युवक 10-15 साथियों के साथ गैराज पर लौटा और दीपक सैनी व उनके दोनों बेटों राहुल व मनीष पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। तीनों को जमकर पीटा गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो हमलावर भाग निकले। जाते समय उन्होंने धमकी दी कि अब तो बच गए, फिर आकर जान से मार देंगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों का मेडिकल करवाया और मौके से साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान में गिरावट

जयपुर । पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के कई शहरों में आई आंधी-बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। दिन के तापमान में करीब 2 डिग्री और रात के तापमान में 5 डिग्री तक की कमी आई, जिससे लोगों को अस्थायी राहत मिली। हालांकि मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि विक्षोभ का असर समाप्त होने के साथ ही एक बार फिर तापमान में बढ़ोतरी होगी।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के 14 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया। इनमें कोटा का दिन सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि जयपुर की रात 27.5 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रही। इसके अलावा वनस्थली, अलवर, पिलानी, चित्तौड़गढ़, डबोक, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, चूरू, डूंगरपुर, फतेहपुर और करौली में भी दिन का तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। रविवार को प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहा और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किए गए। वहीं फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे कम रहा। राजधानी जयपुर में दिनभर हल्के और छितराए बादल छाए रहे तथा हवाएं चलती रहीं, जिससे दिन के तापमान में मामूली गिरावट आई।

- **मौसम विभाग ने आगामी 4-5 दिनों में राज्य के कुछ हिस्सों में हीटवेव की संभावना जताई है**

परशुरामजी शस्त्र-शास्त्र के मर्मज्ञ, अन्याय व अनाचार का प्रतिरोध करने वाले ऋषि : बागड़े

राज्यपाल ने भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह में उनकी पूजा आरती की

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को बिड़ला सभागार में अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित प्रदेश स्तरीय पूजा आरती में भाग लिया। उन्होंने भगवान परशुराम की छवि पर पुष्प अर्पित कर उनकी विधिवत आरती उतारी और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और संपन्नता की कामना की।

राज्यपाल ने जयंती समारोह में भगवान परशुराम के जीवन प्रसंगों की चर्चा करते हुए कहा कि वह शस्त्र और शास्त्र के ही मर्मज्ञ नहीं थे, अन्याय और अनाचार का प्रतिरोध करते जीवन में आदर्श की स्थापना के प्रेरक हैं। उन्हानें भगवान परशुरामजी के अवतरण दिवस की बधाई देते हुए कहा कि अक्षय तृतीया बौद्धिक क्षमताओं के विकास से जुड़ा पर्व है। वेद व्यासजी ने इसी दिन विघ्न विनाशक गणेश को महाभारत लिखने के लिए राजी किया था।

राज्यपाल ने कहा कि परशुराम जी बुद्धि और ज्ञान का समन्वय रखने वाले ऋषि है। उनकी जयंती भगवान परशुराम जी को स्मरण करने का अवसर नहीं है, यह उनके आदर्शों-त्याग, तप, शौर्य, और धर्म रक्षा की प्रतिज्ञा को अपने जीवन में उतारने तथा अन्याय के विरुद्ध निर्भीकता से खड़े होने का संकल्प लेने का पर्व है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम जी ने जब पृथ्वी पर अधर्म को, अन्याय को और दुष्ट शक्तियों को बढ़ते देखा तो विनाश के लिए अवतार धारण किया था। उनके हाथ में धारण किया गया फरसा उनकी वीरता, पराक्रम और धर्म की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने भीष्म, द्रोण और कर्ण को शस्त्र विद्या का ज्ञान दिया। उनका मूल नाम राम था। पर, उन्होंने अपने आराध्य भगवान शिव द्वारा प्रदत्त परशु (कुल्हाड़ी) धारण की इसलिए उन्हें परशुराम कहा जाने लगा। इससे पहले राज्यपाल ने परशुराम जी पर निर्मित फिल्म भी देखी। उन्होंने वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार के किए उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का आव्हान किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को बिड़ला सभागार में अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित किया।

परशुराम ज्ञानपीठ से आरएएस में 54 अभ्यर्थियों का चयन

जयपुर। विप्र फाउंडेशन द्वारा संचालित परशुराम ज्ञानपीठ ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ज्ञानपीठ में आयोजित मॉक इंटरव्यू के माध्यम से आरएएस परीक्षा में 54 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इस सफलता के उपलक्ष्य में परशुराम जयंती के पावन अवसर पर ज्ञानपीठ भवन में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर जश्न मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान भगवान परशुराम की महाआरती कर प्रसाद स्वरूप मिठाई वितरित की गई।

इस विशेष आयोजन में सिविल लाइंस से विधायक एवं विप्र फाउंडेशन के संरक्षक गोपाल शर्मा तथा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस.एन. श्रीमाली (मुंबई) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने इस धरती को जो दिया है, वह अद्वितीय और अनुपम है। उन्होंने कहा कि परशुराम जी चिरंजीवी हैं और उनकी प्रेरणा आज भी समाज को मार्गदर्शन प्रदान कर रही है।

इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनोद अमन, विमलेश शर्मा, नरेंद्र हर्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतीश शर्मा, रामगोपाल शर्मा, राष्ट्रीय सचिव अजय पारीक मौजूद थे।